विद्या सर्वार्थि साधिका

आनंदालय
अभ्यास परीक्षा
कक्षा: दसवीं

विषय : हिंदी 'ब'(085)
दिनांक : 01-02-2023

अधिकतम अंक : 80
निर्धारित समय : 3 घंटे

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और 'ब'
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित कुल 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए |
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं , आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं |
- दिए गए निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |
- दोनों खंडों में कुल 18 प्रश्न दिए गए है | दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

खंड- 'अ' वस्तुपरक-प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए | (5X1=5)

वैज्ञानिक अनुसंधानों एवं औद्योगिक प्रगति के पूर्व के मनोरंजन एवं आज के युग में उपलब्ध मनोरंजन में तथा इससे संबंधित हमारी आवश्यकताओं एवं अभिरुचि में बहुत अधिक अंतर आ गया है। पहले मनोरंजन का उद्देश्य मात्र मनोरंजन होता था और यह प्रक्रिया धार्मिक एवं सामाजिक भावों से संलग्न थी। ऐसा मनोरंजन व्यक्तित्व के गठन एवं स्वस्थ दृष्टिकोण के उन्नयन में सहायक होता था किंतु आज इसका महत्त्वपूर्ण उद्देश्य 'अर्थप्राप्ति' हो गया है।
संभवतः इसी कारण मनोरंजन का स्वरूप पूर्णतः बदल गया है। आधुनिक परिवेश में मनोरंजन का जो भी रूप उपलब्ध है, वह हमारे व्यक्तित्व के गठन पर कुठाराघात करता है, आदर्शों को झुठलाता है, अस्वस्थ अभिरुचि एवं दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देता है या जीवन के सब्जबाग दिखाता है जो जीने योग्य नहीं है। यह रूप व्यक्ति, समाज और विशेषकर हमारी भावी पीढ़ी को भ्रमित कर रहा है।
मनोरंजन से संबद्ध विभिन्न संस्थाएँ–अभद्र सिनेमा, नृत्यशालाएँ, फ़ैशन परेड आदि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से व्यक्ति एवं समाज के जीवन को विकृत कर रहे हैं । बड़े-बड़े नगरों की नृत्यशालाओं एवं नाइट क्लबों में मनोरंजन के नाम पर जो गतिविधियाँ संपन्न होती हैं वे तथाकथित आधुनिक एवं प्रगतिशील विचारधारा से भले ही समर्थित हों, किंतु स्वस्थ भारतीय दृष्टिकोण के अनुसार तो वे पश्चिमी देशों की अंधी नकल ही हैं।
इनके समर्थक यह भूल जाते हैं कि उनका मानसिक गठन, संस्कार, रीति-रिवाज तथा जीवन-पद्धति पश्चिमी देशों से एकदम भिन्न है। इस प्रकार देश में मनोरंजन के नाम पर जो भी भौंडापन उपलब्ध है- वह विघटन का स्रोत है, विकारों का जनक है एवं क्षयग्रस्त जीवन का पर्याय है।

(i) पहले के समय में मनोरंजन की प्रक्रिया किससे प्रभावित थी ?
(क) धन लाभ से (ख) हमारी जरूरतों से (ग) सामाजिक-धार्मिक भावों से (घ) विकृत दृष्टिकोण से

(ii) वैज्ञानिक अनुसंधानों एवं औद्योगिक प्रगति के बाद मनोरंजन का मुख्य उद्देश्य क्या है ?
(क) सामाजिक उन्नयन (ख) मनोरंजन (ग) धनोपार्जन (घ) अभिरुचियों की शुद्धि

(iii) आधुनिक मनोरंजन जीवन को कैसे प्रभावित कर रहा है ?
(क) आदर्शों को झुठलाकर (ख) अस्वस्थ अभिरुचि व दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर
(ग) जीवन के सब्जबाग दिखाता है (घ) उपरोक्त सभी

(iv) व्यक्ति एवं समाज के जीवन को विकृत करने में किसी भूमिका प्रमुख है ?
(क) अभद्र सिनेमा (ख) भारतीय दृष्टिकोण (ग) रीति -रिवाज़ (घ) प्रगतिशील विचारधारा

(v) 'भौंडापन' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द बताइए।
(क) भौंडा + पन (ख) भौंड + अपन (ग) भौं +डापन (घ) भौं + पन

2 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5X1=5)

सरलता मानव का स्वाभाविक गुण है | आडंबर जीवन को जटिल बनाता है और हृदय में विकार उत्पन्न करके उसे कलुषित बनाता है| अहंकार, आडंबर आदि तुच्छ विचारों के कुप्रभाव से मनुष्य कृत्रिम बन रहा है | सरल, सहज और सादा जीवन हमें प्रकृति से जोड़ता है |
संसार में किसी भी देश में महान व्यक्तियों का अभाव नहीं रहा है| कुछ व्यक्ति अपने ही देश में ख्याति पाते हैं और कुछ व्यक्तियों की ख्याति संसार में फैल जाती है | संसार के विख्यात व्यक्तियों के जीवन पर यदि दृष्टि डाली जाए तो चाहे वह देशभक्त हो या वैज्ञानिक, साहित्यकार हो या दार्शनिक अथवा उद्योगपति, सभी में कुछ विशेषता अवश्य ही मिलेगी | ऐसे व्यक्ति संसार में बहुत कम हैं, जो जन्म से ही विख्यात हुए हों| अधिकांशतः लोगों को यह ख्याति उनके चरित्र- बल और उद्यम से ही प्राप्त होती है | संसार में ऐसे मनुष्य कम नहीं हैं, जिनका साधारण परिवार में जन्म हुआ, किंतु वे अपनी बुद्धि और लगन के कारण बहुत ऊँचे उठ गए| प्रतिदिन संसार में अनेक मनुष्य जन्म लेते हैं और मरते हैं, पर सभी का नाम उनकी मृत्यु के बाद यहाँ नहीं टिका रहता |
मनुष्य में विनय, उदारता, कष्ट सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है | इन गुणों का प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है | यह गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारविहीन या सादा बनाते हैं| सादा जीवन या सादगी का अर्थ है- रहन-सहन, वेशभूषा और आचार-विचारों का एक निर्दिष्ट स्तर| जीवन में सादगी लाने के लिए दो बातें विशेष रुप से करणीय हैं | पहला, कठिन से कठिन परिस्थितियों में धैर्य को ना छोड़ना, दूसरा अपनी आवश्यकताओं को न्यूनतम बनाना | हमारी वास्तविक आवश्यकताएँ बहुत कम होती हैं | अपनी आवश्यकताओं को हम स्वयं बढ़ाते हैं, जो बाद में हमारे जीवन को विषम बना देती हैं | इसलिए सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए और अपने विचारों को उच्च बनाए रखना चाहिए |

(i) आडंबर जीवन को कैसा बनाता है ?
(क) कृत्रिम तथा कुप्रभावी (ख) जटिल तथा कलुषित
(ग) अहंकारी तथा हृदय के विकारों वाला (घ) अस्वाभाविक तथा असहज

(ii) कैसा जीवन हमें प्रकृति से नहीं जोड़ता है ?
(क) सरल, सहज और सादा (ख) अहंकार और आड़ंबर युक्त
(ग) साधारण और कृत्रिम (घ) सादा और बनावटी

(iii) अधिकांशतः लोगों को ख्याति कैसे प्राप्त होती हैं ?
(क) आराम तथा मेहनत से (ख) अहंकार तथा निर्दिष्ट स्तर से
(ग) संकीर्णता तथा स्तर से (घ) चरित्र बल और उद्यम से

(iv) गद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए -
(क) सादा जीवन और उच्च विचार (ख) कठोर जीवन
(ग) अहंकार से भरा जीवन (घ) साहसी जीवन

(v) हमें अपनी आवश्यकताओं को कैसा बनाना चाहिए ?
(क) अपनी आवश्यकताओं को बढ़ाते रहें (ख) अपनी आवश्यकताओं को न्यूनतम बनाएँ
(ग) बिल्कुल समाप्त कर दें (घ) इनके बारे में सोचना बंद कर दें

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए | (4X1=4)

(i) 'वह मैदान में खेल रहा होगा |'- वाक्य में क्रिया पदबंध है -
(क) मैदान में (ख) खेल रहा होगा (ग) वह मैदान में (घ) वह

(ii) 'बच्चे <u>तेज दौडते -दौडते</u> थक गए | '- वाक्य में रेखांकित पदबंध है -
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध (ग) क्रिया विशेषण पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

(iii) ' <u>कठोर परिश्रम करने वाला मैं</u> असफ़ल नहीं हो सकता |' - वाक्य में रेखांकित पदबंध है -
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध (ग) क्रिया पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

(iv) '<u>प्रतिदिन व्यायाम करने वाले</u> प्राय: स्वस्थ रहते हैं ' - वाक्य में रेखांकित पदबंध है -
(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध (ग) क्रिया विशेषण पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

(v) ' <u>झूठ बोलने वाले लोग</u> बेईमान होते हैं |' - वाक्य में पदबंध है :-

(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध (ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए | (4X1=4)

(i) निम्नलिखित वाक्यों में से कौन -सा मिश्रित वाक्य नहीं है ?
(क) ज्योंहि नेता जी पधारे, त्योंहि नारेबाजी शुरू हो गयी | (ख) जो कमाएगा वह खाएगा |
(ग) शिक्षक चाहता है कि उसके शिष्य अच्छे बनें | (घ) लालची लोग हमेशा दुखी रहते हैं |

(ii) 'सूर्योदय का दृश्य सुहावना लग रहा था |' वाक्य-रचना की दृष्टि से है -
(क) सरल वाक्य (ख) मिश्रित वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य (घ) अन्य

(iii) 'वे बीमार हैं अत: आ नहीं सकते |' रचना की दृष्टि से वाक्य भेद है -
(क) सरल वाक्य (ख) मिश्रित वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य (घ) अन्य

(iv) "धन आता है ,घमंड हो जाता है |" वाक्यों का उपयुक्त मिश्रित वाक्य है -
(क) धन आने पर घमंड हो जाता है (ख) जब धन आता है तब घमंड हो जाता है
(ग) धन आते ही घमंड हो जाता है (घ) धन आया और घमंड हो गया

(v) 'शंकर आया | सब प्रसन्न हो गए |' वाक्यों का उपयुक्त संयुक्त वाक्य है -
(क) शंकर के आने से सब प्रसन्न हो गए (ख) शंकर आया और सब प्रसन्न हो गए
(ग) जैसे ही शंकर आया वैसे ही सब प्रसन्न हो गए (घ) शंकर के आते ही सब प्रसन्न हो गए

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए | (4X1=4)

(i) 'अमृतधारा ' में कौन-सा समास है ?
(क) द्वंद्व समास (ख) अव्ययीभाव (ग) बहुव्रीहि (घ) तत्पुरुष

(ii) 'नरसिंह ' समस्तपद विग्रह और भेद है -
(क) नर का सिंह - तत्पुरुष समास (ख) सिंह का नर - तत्पुरुष समास
(ग) नर रूपी सिंह - कर्मधारय समास (घ) नर और सिंह - द्वंद्व समास

(iii) 'चंद्र है शिखर पर जिसके' का समस्त पद है -
(क) शेखर चंद्र (ख) चंद्रशेखर (ग) चंद्रभाल (घ) चंद्रधर

(iv) 'आजीवन' समस्तपद में कौन-सा समास है -
(क) द्वंद्व समास (ख) अव्ययीभाव समास (ग) द्विगु समास (घ) कर्मधारय समास

(v) 'सात दिनों का समूह ' का समस्त पद होगा -
(क) सप्तदिन (ख) सप्ताह (ग) सप्तर्षि (घ) सप्तशती

6. निर्देशानुसार 'मुहावरों ' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

(i) सुरेश ने चोरी करके अपने परिवार की इज्ज़त ____ | उचित मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -
(क) सर फिर जाना (ख) मिट्टी में मिलाना (ग) चार चाँद लगाना (घ) मत्थे मढ़ना

(ii) 'ऐरा-गैरा नत्थू खैरा - मुहावरे का अर्थ है-
(क) जिसे कोई पहचान ले (ख) कोई भी महत्त्वहीन व्यक्ति
(ग) बेकार सवाल करने वाला (घ) अनजान व्यक्ति

(iii) भारतीय सैनिकों ने ____ देश की रक्षा की | - रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए : -
(क) सिर पर कफ़न बाँधकर (ख) आसमान सिर पर उठाकर
(ग) आँखों में धुल झोंककर (घ) गाढ़ी कमाई

(iv) मुहावरे और अर्थ के अनुचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए -
(क) छुपा-रुस्तम - देखने में साधारण,वास्तव में गुणी (ख) चिकना घड़ा - बेअसर
(ग) छठी का दूध याद आना - भारी संकट में पड़ना (घ) चूड़ियाँ पहनना - तैयार होना

(v) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए -
(क) हाथ-पाँव फूलना - बीमार होना (ख) सुध-बुध खोना - होश आना
(ग) गाँठ बाँधना - विरोध करना (घ) हरफनमौला - हर कला में माहिर

(vi) एक अच्छा व्यापारी मुनाफ़ा कमाना भली-भाँति जनता है - रेखांकित अंश के लिए उचित मुहवरा है -
(क) टोपी पहनाना (ख) तीर माँरना (ग) दो से चार बनाना (घ) गाढ़ी कमाई

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनिए - (5X1=5)

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो |

(i) खून से लकीर खींचने का तात्पर्य है -
(क) होली खेलकर (ख) सीमा बनाकर (ग) बलिदान देकर (घ) दुश्मन का खून बहाकर

(ii) इस काव्यांश में 'रावण' शब्द का अर्थ है -
(क) साधू (ख) महात्मा (ग) महावीर (घ) शत्रु

(iii) काव्यांश में 'सीता का दामन' से आशय है -
(क) भारतमाता का मान -सम्मान (ख) सीता के वस्त्र (ग) सीता का आँचल (घ) सीता का आदर

(iv) सैनिक देश को किसके हवाले कर रहे हैं -
(क) राम-लक्ष्मण (ख) देशवासियों (ग) देश के नौजवानों (घ) 'ख' और 'ग' दोनों के

(v) प्रस्तुत काव्यांश किस कविता से लिया गया है?
(क) आत्मत्राण (ख) कर चले हम फ़िदा (ग) मनुष्यता (घ) तोप

8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए | (2X1=2)

(i) सन् 1857 के स्वाधीनता संग्राम में तोप ने किसके धज्जे उड़ाए थे -
(क) अंग्रेजों के (ख) स्वाधीनता सैनानियों के (ग) हिन्दुओं के (घ) मुसलमानों के

(ii) 'फड़का अपार पारद के पर ' पंक्ति में कवि ने किसकी बात की है ?
(क) भयभीत वृक्षों की (ख) पारे के समान श्वेत बादलों की (ग) घनघोर वर्षा की (घ) तेज़ हवा की

9 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सर्वाधिक सटीक विकल्प का चयन कीजिए- (5X1=5)

संसार की रचना भले ही कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है | पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इनमें बराबर की हिस्सेदारी है | यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं | पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है | पहले बड़े बड़े दालानो-आँगनों में सब मिलजुल कर रहते थे |अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है | बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, फैलते प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है , पेड़ों को रास्ते से हटाना शुरू कर दिया है | बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया है | अब गर्मी में ज्यादा गर्मी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं |

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?

(क) अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले (ख) तोप (ग) डायरी का एक पन्ना (घ) कारतूस

(ii) संसार को टुकड़ों में बाँटकर एक-दूसरे से दूर किसने किया है ?

(क) बढ़ते आतंक ने (ख) मानव जाति के स्वार्थ ने (ग) बड़ी - बड़ी दीवारों ने (घ) फैलते समुद्र ने

(iii) बढ़ती हुई आबादियों ने क्या किया है ?

(क) संसार की रचना (ख) संसार का विकास (ग) पर्यावरण का दोहन (घ) डिब्बे जैसे घरो में रहना

(iv) फैलते प्रदूषण से क्या हुआ है ?
(क) पंछियों का बस्तियों से भागना (ख) पुराने रोग खत्म हो जाना
(ग) प्रकृति में असंतुलन (घ) आँगनों में मिल-जुल कर रहना

(v) गद्यांश के लेखक हैं -
(क) निदा फ़ाज़ली (ख) सीताराम सेकसरिया (ग) सुमित्रानंदन (घ) मुंशी प्रेमचंद

10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए | (2X1=2)

(i) व्यवहारवादी लोग सदैव लाभ-हानि का हिसाब लगाकर व्यवहार करते है जबकि आदर्शवादी लोगों की पहचान है -
(क) सही-गलत तथा शाश्वत मूल्यों का प्रमुखता देना (ख) आदर्शों की बातें करना
(ग) व्यवहारवादी लोगों को खरी-खोटी सुनाना (घ) समाज से पहले स्वयं का उत्थान

(ii) 'तीसरी कसम' फ़िल्म के नायक कौन हैं ?
(क) शंकर (ख) राजकपूर (ग) जयकिशन (घ) शैलेन्द्र

खंड - 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए - (2x3=6)

(i) 'बुनियाद ही पुख्ता न हो तो मकान कैसे पायेदार बने' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए | लेखक किसके संबंध में ऐसा कहते हैं ?

(ii) रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है, क्यों ? स्पष्ट कीजिए |

(iii) लेखक के मित्र ने जापान के लोगों में बढ़ते मानसिक रोगों के क्या-क्या कारण बताए हैं ? आप इन कारणों से कहाँ तक सहमत हैं ?

12 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए - (2x3=6)

(i) सांसारिक सुखों के पीछे भाग रही दुनिया को कबीर और मीराबाई क्या संदेश देना चाहते हैं ?

(ii) कवि ने दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर 'मनुष्यता' के लिए क्या संदेश दिया है ?

(iii) 'आत्मत्राण' कविता में कवि यह क्यों नहीं चाहते कि ईश्वर ही उनकी विपत्तियों को दूर करें ?

13 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए - (2x3=6)

(i) हरिहर काका के मामले में पूरा गाँव दो वर्गों में बँट गया था, उसके क्या कारण थे ? यदि आपको भी अवसर मिलता तो आप हरिहर काका को क्या राय देते ?

(ii) विद्यार्थियों में अनुशासन रखने के लिए 'सपनों के-से दिन' पाठ में अपनाई युक्तियों को क्या आप सही मानते हैं ? अपने विचार व्यक्त कीजिए |

(iii) हमारे बुज़ुर्ग हमारी विरासत हैं | 'टोपी शुक्ला' पाठ में से उदाहरण देते हुए बताइए कि आप अपने घर में रह रहे बुजुर्गों का कैसे ध्यान रखेंगे ?

14 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए - (1x5=5)

(क) हम होंगे कामयाब एक दिन
- जीवन में सफ़लता-असफ़लता का महत्त्व
- कर्म करने की प्रवृत्ति
- आशा, उत्साह, उमंग का जीवन में स्थान
- उपसंहार

(ख) सत्संगति का महत्त्व
- सत्संगति का अर्थ
- सत्संग व कुसंगत का प्रभाव
- विद्यार्थी जीवन में महत्त्व
- उपसंहार

(ग) नैतिक मूल्यों के निर्माण में शिक्षक का महत्त्व
- शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका
- समाज और राष्ट्र के हितैषी
- शिक्षा का सही उद्देश्य
- नैतिक मूल्य में गिरावट/ निष्कर्ष

15 (क) बोर्ड-परीक्षा के भय और तनाव से जूझ रहे विद्यार्थीवर्ग का मनोबल बढ़ाने हेतु अपने प्रेरक विचार व्यक्त करते हुए किसी प्रसिद्ध समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए | (1x5=5)

अथवा

(ख) स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से खाद्य पदार्थों में मिलावट की गंभीर समस्या पर खाद्य और आपूर्ति विभाग के निदेशक के नाम लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए |

16. (क) 'आगाज़ ' नाट्य मंच द्वारा युवाओं को जागरुक करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया जा रहा है | इस विषय पर लगभग 50 शब्दों में सूचना लिखिए | (1x4=4)

अथवा

(ख) विद्यालय के प्रधानाचार्य की ओर से विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर में मोबाइल फ़ोन न लाने संबंधी आदेश देते हुए लगभग 50 शब्दों में सूचना लिखिए |

17 (क) अपने विद्यालय की संस्था पहरेदार की ओर से 'साइबर सुरक्षा' अभियान हेतु जागरुकता लाने के लिए लगभग 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए | (1x3=3)

अथवा

(ख) रजिस्टर तथा कापियाँ बनाने वाली 'पत्रलेखा कंपनी' के प्रचार-प्रसार हेतु लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए |

18 (क) "करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान" उक्ति को आधार बनाकर लगभग 100 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए | (1x5=5)

अथवा

(ख) आपके क्षेत्र में बच्चों के खेलने के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं है | नगर निगम के अध्यक्ष को को लगभग 100 शब्दों में ईमेल लिखकर 'बाल उद्यान' बनवाने की प्रार्थना कीजिए |